केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर,

देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

दिनांक:-25.03.2023

आधिसूचना 121

दिनांक 20.03.2023 को सम्पन्न आईक्यूएसी साधारण बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार परिसरीय आईक्यूएसी का पुनर्घटन निम्न प्रकार से किया जाता है।

1. संस्था प्रंमुख	निदेशक प्रो. पी वी बी सुब्रह्मण्यम्	अध्यक्ष
2.सभी स्तर से अध्यापक प्रतिनिधि	1. प्रो विजयपाल शास्त्री, वरिष्ठ आचार्य 2. डॉ.शैलेन्द्र प्रसाद उनियाल, सहायक आचार्य 3. डॉ शैलेन्द्र नारायण कोटियाल, सहायक आचार्य 4. डॉ. अनिल कुमार, सहायक आचार्य 5. डॉ सुधांशु वर्मा, सहायक आचार्य (सं) 6. श्री पंकज कोटियाल, सहायक आचार्य (अ) 7. डॉ मनीशा आर्या, सहायक आचार्य (अ) 8. डॉ वीरेन्द्र सिंह बर्त्वाल, सहायक आचार्य (हिं)	सदस्य
3. स्थानीय प्राशासनिक अधिकारी	1. श्री सम्पूर्णानन्द नौरियाल, अनुभाग अधिकारी (प्र) 2. श्री विजय नेत्रिवाल, वरिष्ठ श्रेणी लिपिक	सदस्य
4. नामित सदस्य	1. श्री आकाश जोशी, उप मंडलाधिकारी, पौड़ी गढवाल 2. भास्कर बर्मन, शोध छात्र 3. अनिल भट्ट , छात्र 4. शिवानी ठाकुर, छात्रा 5. श्रीर हरिश्चन्द्र डंगवाल, पूर्व छात्र	सदस्य
5.नामित सदस्य	1. प्रो. प्रीती कुमारी, प्राचार्या, ओंकारानन्द राजकीय महाविद्यालय (शिक्षावित्) 2. श्री कृष्णकान्त कोटियाल, अध्यक्ष, देवप्रयाग नगरपालिका (समाजवेत्ता) 3. डॉ अवधेश बिजलवान, सहायक आचार्य (अ), दाँवधारी 4. श्री नवीन डोबरियाल, सहायक ग्रन्थालाध्यक्ष, दाँवधारी	सदस्य
6. वरिष्ठ प्राध्यापक	1. डॉ सच्चिदानन्द स्नेही, सहाचार्य	समन्वयक

नैक राष्ट्रीय मूल्यांकन एन प्रत्यायन परिषद के मार्गदर्शकावली में निर्दिष्ट बिन्दुओं के अनुपालन के साथ साथ निम्न उद्देश्यों को पूर्ण करने में सस्था का मार्गदर्शन करना इस प्रकोष्ठ का प्रमुख उद्देश्य है।

1. To develop a system for conscious, consistent and catalytic action to improve the academic and administrative performance of the institution.
1. संस्था की प्राशासनिक तथा शैक्षिक प्रदर्शन के विकास केलिये सुसंगत, प्रेरक तथा जाकरूक कार्यप्रणाली का निर्माण करने में सहयोग करना तथा मार्गदर्शन करना
2. गुणवत्तापूर्ण कार्यशैली एवं सर्वोत्तम प्रथाओं से युक्त संस्था के रूप में अभिवृद्धि के लिये आवश्यक गुणात्मक प्रणाली के प्रतिपादन करने तथा उस स्वरूप की प्रकृति को विकसित करने में सहयोग करना।
3. To promote measures for institutional functioning towards quality enhancement through internalization of quality culture and institutionalization of best practices.

(प्रो. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम)

निदेशक